>

Title: Need to provide pilgrimage facilities to the people desirous of visiting the Mausoleum of Prithvi Raj Chauhan in Afghanistan-Laid.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : महोदय, सम्राट पृथ्वी राज चौहान भारत के अंतिम हिन्दू शासक थे जिन्होंने विदेशी मुहम्मद गौरी से 17 बार युद्ध किया। 16 बार गौरी को हराने के बाद 17वें बार पराजित होकर गिरफ्तार हुये, तब गौरी उनको बंधक बनाकर अपने देश ले गया। सम्राट पृथ्वी राज चौहान धनुष विद्या में इतने पारंगत थे कि गौरी द्वारा उनकी आँखें निकाल लेने के बाद भी उन्होंने अपने मंत्री चन्दबरदाई भाट जी की आवाज पर बाण चलाया जो सुल्तान की छाती में जा घुसा, पृथ्वीराज रासो नाम पुस्तक में ऐसा वर्णन आया है।

चार हाथ चौबीस गज अंगुल अष्ठ प्रमाण, ता ऊपर सुल्तान है अब न चूकै चौहान, ऐसे शब्द भेदी बाण चलाने वाले सम्राट पृथ्वी राज चौहान, जो विदेश की धरोहर एवं हमारे क्षेत्रीय समाज के सिरमौर है, इनकी समाधि अफगानिस्तान में है।

मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की समाधि पर दर्शनार्थ भारतवासियों को हज की तरह शासन द्वारा सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जायें।